मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 113, मुंबई, गुरुवार, 2 जुलाई, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

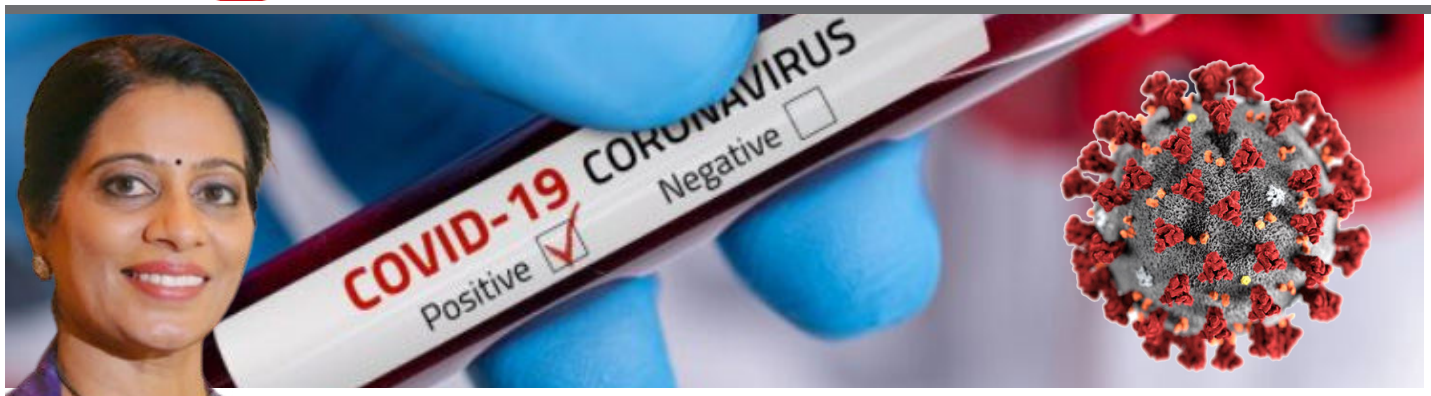

लोकसेवा में समर्पित रही विधायक गीता जैन

CORONA POSITIVE

कोरोना जैसी इस महामारी में विधायक गीता जैन ने मीरा-भायंदर के रहिवासियों की सेवा के लिए रात दिन कड़ी मेहनत की है

संवाददाता

मीरा-भायंदर। मीरा भयंदर शहर की विधायक कोविड-19 की वैश्विक महामारी में जनसेवा और लोकसेवा को समर्पित रही। शहर की सक्षम एवम कर्मठ विधायक के कोरोना पॉजिटिव आने की खबर से सभी हतप्रभ है। गीता जैन के हजारों समर्थक उनके सुंदर स्वास्थ्य की कामना कर रहे है। जनप्रिय विधायक की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आये उसके लिये सभी मीरा-भायंदर के रहिवासी प्रर्थना कर रहे हैं।

कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए मुंबई में धारा 144 लागू

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले

MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

धारावी से अच्छी खबर

70 पर्सेंट कोरोना मरीज हुए ठीक

मुंबई। लगभग तीन महीने पहले मुंबई के धारावी में कोरोना का पहला मामला सामने आया था। झुग्गी बस्ती वाले इस इलाके में कोरोना संक्रमण फैलने की घटना ने राज्य सरकार के साथ-साथ पूरे देश के होश उड़ा दिए थे। अब इसी धारावी से अच्छी खबर आई है। देश के सबसे बड़े झुग्गी-बस्ती वाले इलाके धारावी में कोरोना के 70 पर्सेंट से ज्यादा मरीज ठीक हो गए हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

चीन के सूअर फार्म में मिला एक और वायरस

नई महामारी का खतरा?

संवाददाता

नई दिल्ली। चीन में रिसर्चरों ने एक नए तरह के स्वाइन फ्लू वायरस का पता लगाया है। अमेरिकी साइंस जर्नल 'प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस' में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि नया वायरस भी महामारी की वजह बन सकता है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि इस वायरस से तुरंत कोई खतरा नहीं है। अमेरिकी जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के लेखक कहते हैं कि यह वायरस इंसानों के लिए ज्यादा संक्रामक हो गया है और इसके संभावित महामारी वायरस बनने की सूरत में इस पर नजर रखने की जरूरत है। चीनी यूनिवर्सिटियों और चीन के बीमारी नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के वैज्ञानिकों ने यह रिसर्च की है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

दरिद्र नारायण की सुधि

कोरोना, बारिश और त्योहारों के समय गरीब वर्ग को अन्न से संबल देने का प्रयास सराहनीय और स्वागतयोग्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ताजा घोषणा मूल रूप से देश के दरिद्र नारायण की सुधि लेने की ऐसी कोशिश है, जिसकी उम्मीद पिछले एक महीने से बंधी हुई थी। सरकार ने जुलाई से नवंबर तक पूरे पांच महीने तक देश के करीब 80 करोड़ जरूरतमंदों को पांच-पांच किलो गेहूं या चावल और चना मुफ्त देने का जो फैसला किया है, उससे देश को एक मानवीय आधार मिलेगा। यह आधार पूरे गुजारे के लिए भले पर्याप्त न हो, लेकिन इससे अभावग्रस्त परिवारों का मनोबल बढेगा। इस राहत के उपरांत वे अपने थोडे.से प्रयास या रोजगार योजनाओं का लाभ उठाकर अपने दिन ठीक से गुजार सकेंगे। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के नवंबर तक विस्तार से अभावग्रस्त लोगों को अपने यथास्थान रहने की प्रेरणा भी मिलेगी। विशेष रूप से बिहार जैसे श्रमिक बहुल राज्य में छठ पूजा का बहुत महत्व है, जिसे प्रधानमंत्री ने भी जाहिर किया है। बड़ी संख्या में ऐसे कामगार होंगे, जो अब नवंबर में छठ पूजा के समापन के बाद ही यात्रा की योजना बनाएंगे। बेशक, देखने वाले इस घोषणा को चुनाव से जोड़कर भी देखेंगे, लेकिन वह भी इस योजना के व्यापक महत्व से इनकार नहीं कर पाएंगे। एक और अच्छी बात है कि इस योजना का श्रेय किसानों और ईमानदार करदाताओं को दिया गया है। जब देश में कोरोना का संक्रमण बढ़ता जा रहा है, तब सरकार का लोक-कल्याणकारी स्वरूप सशक्त होना ही चाहिए। इस योजना के विस्तार पर अगर 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च होंगे, तो कोई बात नहीं। इस देश में ऐसी क्षमता है कि वह गरीबों के साथ खड़ा हो सकता है। यदि कोरोना के समय अमेरिका की कुल जनसंख्या से तीन गुना अधिक लोगों को हमारी सरकारों ने मुफ्त अनाज दिया है, तो कोई आश्चर्य नहीं। बहरहाल, यह भी जरूरी है कि ऐसी उदार योजनाओं का लाभ पूरी ईमानदारी से जरूरतमंदों तक पहुंचे। निचले स्तर पर वितरण से जुड़े लोगों के लिए भी यह परीक्षा और दरिद्र नारायण की सच्ची सेवा का समय है। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी बहाने से किसी भी जरूरतमंद को योजनाओं के लाभ से वंचित न किया जाए। प्रधानमंत्री के भाषण में एक और महत्वपूर्ण बात शामिल है, जो सबका ध्यान खींच रही है। ह्यएक देश एक राशन कार्डह्ण की घोषणा वैसे तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मई महीने के मध्य में ही कर दी थी और उन्होंने यह भी बता दिया था कि ऐसा मार्च 2021 में संभव हो जाएगा, लेकिन प्रधानमंत्री के बोलने से लोगों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। एक देश एक राशन कार्ड लंबे समय से इस देश की जरूरत रही है। सभी राज्य अगर इस व्यवस्था को मिलकर पहले ही साकार कर लेते, तो संभव है, कोरोना के समय लाखों की संख्या में लोगों को अपने घर न लौटना पड़ता। जो जहां है, वहीं रहता और वहीं उसे राशन कार्ड के तहत जरूरी सामान और अनाज उपलब्ध करा दिया जाता। अब समय आ गया है कि एक देश एक राशन कार्ड और मुफ्त अनाज जैसे बुनियादी इंतजामों को स्थानीय सियासत से परे रखकर मदद का स्थाई ढांचा विकसित किया जाए। ऐसी मदद की व्यवस्था जितनी उदार और व्यापक बनेगी, हमारा देश उतनी ही राहत और खुशी महसूस करेगा।

वर्तमान महामारी के समय आई तमाम मुश्किलों से संघर्ष करते हुए चुनौतियों में अवसर को तलाशना

निश्चित रूप से यह दौर भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए अब तक के इतिहास में शासन और प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। मानवीय इतिहास में शायद ऐसा पहली बार हुआ जब आपदा के समय में मनुष्य, मनुष्य से दूर रहने को विवश है। भारत तो ऐसा देश है जहां आपस में भले ही लाख गिले- शिकवे हों, लेकिन सुख-दुख का बोझ मिलकर उठाया जाता है। इस कठिन समय में होने वाले पलायन को किसी राजनीतिक पार्टी से जोड़ने से बेहतर है कि हम उसकी बुनियादी समस्या को समझें।

जो लोग अपने पैतृक निवास से दूर शहरों में रहते थे, उनके लिए शहर अभिभावक की तरह थे। जिनके लिए कोई ठोस आद्गथक संसाधन नहीं है, उसके लिए गांव में रहना मुश्किल है। आने वाली पीढ़ियों को बेहतर जीवन देने के लिए लोग भारी संख्या में शहरों की तरफ भागे। धीरे-धीरे उन लोगों ने शहर में एक गांव बसा लिया। यातायात की तमाम सुविधाओं के बाद भी मजदूरों को नंगे पांव अप्रैल-मई के अंगार होते रास्तों से अपने गावों की तरफ लौटना कष्टकर रहा होगा। वे लोग जो बिना कुछ सोचे-समझे अपने घरों की ओर निकल गए थे, उन्हें ये भी पता नहीं था कि वे पहुंचेंगे भी या नहीं। ये लोग किसी भी सत्ता को बनाने और ध्वस्त करने वाले लोग हैं, जिनके मतदान से इतिहास बदल जाते हैं। ये वे लोग हैं जिनसे देश आबाद है।

यही वे लोग हैं जिनकी कोई जाति और धर्म नहीं है। वे सिर्फ मजदूर हैं और खट कर खाने वाले हैं। सरकारें अपनी तरफ से इनके लिए लगातार कोशिशें कर रही हैं, बावजूद इसके उनका जीवन दुधारी तलवार है। जिन गांवों को छोड़कर वो शहरों में आए थे उन्हीं गांवों में हमेशा के लिए लौटते हुए उनका मन न जाने कैसा हुआ होगा। हालांकि कई संस्थाओं द्वारा बुनियादी चीजों को उन लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। पलायन करने वाले मजदूरों की संख्या महानगरों में रहने वाले लोगों से ज्यादा होती है। महानगरों के मूलनिवासी और काम करने वालों की संख्या का प्रतिशत तीस और सत्तर का है। इन्हीं मजदूरों से महानगर आबाद हैं। यह वर्ग समझ चुका है कि यह समय का सवाल नहीं, बल्कि काल का सवाल है। मतलब यह एक-दो महीने की समस्या नहीं है, वर्षो तक इसका असर रहना है, इसलिए वह अपने घरों में लौटना चाहता था। उसे लगता है कि मरना है तो घर पर क्यों न मरें। घर पर कम से कम पेट की आग तो बुडोगी। मकान मालिक किराये के लिए जलील तो नहीं करेगा।

जो मजदूर फुटपाथों पर सोकर रात काट लेते थे, वह भी इसलिए घरों को लौट जाना चाहते थे, क्योंकि बेमौत मरने के बाद उनकी शिनाख्त करने वाला कोई तो हो। हमें यह समझना बहुत जरूरी है कि यह भूख और अवसाद का पलायन नहीं है। यह पलायन अपनी जड़ों से जुड़ने के लिए है। हमारे जीवन में पलायन के कई दृश्य सामने आए, लेकिन इतना मर्माहत करने वाला पलायन कभी नहीं आया। महानगरों में रहने वाले मजदूरों के अलावा जो अपना गांव छोड़कर अपने आस-पास के शहरों में जीविका के लिए गए थे, वे महीना भर चलकर भी अपने घर नहीं पहुंच सके। ये वे मजदूर हैं जिनके लिए जीवन का अर्थ प्रतिदिन कुआं खोदना और पानी पीना है। संग्रहण उनके लिए संभव नहीं है। हम जिस बड़ी समस्या और बेहाल समय में जी रहे हैं उसकी हमने न कल्पना की थी और ना ही उसके लिए हम तैयार थे। बेशक समस्या बड़ी है, लेकिन हमारे लिए मुश्किल नहीं है। हमने अपनी क्षमता, हिम्मत और सूझबूझ से कई समस्याओं का सामना किया है। बात पलायन की हो, विस्थापन की हो या फिर प्रवासन की, यह मानवीय सभ्यता के इतिहास के सबसे बुरे अध्याय हैं। इन तीनों के कारण चाहे जो भी हो, दुखद होते हैं। हमने कभी यह कल्पना भी नहीं की थी कि हमें कभी ऐसा दिन भी देखना होगा। हमारी जड़ें तो इतनी मजबूत हैं कि किसी के दुख में खड़े हो जाने को आतुर रहते हैं। इस कठिन और भयावह समय में भी लोगों ने एक दूसरे की खूब मदद की। यह समय हमारे लिए चुनौती भी है और मौका भी। चुनौती इस अर्थ में कि हमें अपने आपको घर तक सीमित करना पड़ा। सारी योजनाएं और महत्वाकांक्षाएं धरी रह गईं। मौका इसलिए कि इसी बीच हमें अपने अंदर झांकने का मौका मिला। भागती-दौड़ती इस जिंदगी में हम खुद से मिलना भूल गए थे। प्रकृति और जीवन के प्रति लापरवाही हमारे भविष्य को घोर अंधेरे में धकेल रही थी। इंसान कुछ दिन घरों में कैद हुए तो पशु, पक्षी, जीव, जंतु सभी रोड पर आ गए। गाड़ियों, रेलों, हवाई जहाजों की रेलम-पेल से उपजी ध्वनि और प्रदूषण से सांस लेना मुश्किल हो गया था। कुछ दिन ये सब क्या ठहरे कि प्रकृति की रौनक लौट आई।

निजता हेतु चीनी एप्स पर पाबंदी जरूरी

स्मार्टफोन से लेकर एप्स के क्षेत्र में भारत में चीन की धमक बीते दिनों व्यापक रूप से बढी है। इसके कई गंभीर दुष्परिणाम सामने आने लगे थे। ऐसे में भारत ने चीनी एप पर प्रतिबंध लगाकर दुनिया को भी संकेत दिया है कि चीनी एप से सभी सावधान हो जाएं। इससे यह संदेश भी जा रहा है कि दुनिया भर की सरकारें अपने यहां चीनी एप की जांच करवाएं कि कहीं ऐसे एप्स राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा तो नहीं। भारत ने चीन को भी यह संदेश दे दिया है कि अगर वो भारत के खिलाफ गलत कदम उठाएगा, तो उसे सैन्य मोर्चे के साथ-साथ आर्थिक मोर्चे पर भी करारा जवाब दिया जाएगा।

लद्दाख में चीन के साथ जारी तनातनी के बीच सरकार ने चीन के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए चीन से संबंध रखने वाले 59 मोबाइल एप पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस सूची में लोकप्रिय एप टिकटॉक, यूसी ब्राउजर, हेलो, शेयर इट जैसे एप्स भी शामिल हैं। केंद्र सरकार ने कहा है कि ये एप्स देश की संप्रभुता, अखंडता और राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से खतरनाक हैं। इन चाइनीज एप्स के सर्वर भारत से बाहर मौजूद हैं। इनके जरिये यूजर्स का डाटा चुराया जा रहा था। दरअसल भारत की एप आधारित अर्थव्यवस्था में चीनी एप के वर्चस्व में

अप्रत्याशित वृद्धि हो रही थी। वर्ष 2017 में गूगल एप में दर्ज भारत में 100 सबसे ज्यादा प्रयोग होने वाले एप्स में से केवल 18 चीन के थे। लेकिन उसके बाद महज साल भर के भीतर यानी 2018 में भारत के टॉप रेटेड 100 एप्स में चीन के एप्स की संख्या 44 तक पहुंच गई थी। सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी कानून सेक्शन 69ए के तहत इन चीनी एप्स को प्रतिबंधित किया है। पिछले कुछ दिनों से 130 करोड़ भारतीयों की प्राइवेसी और डाटा सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की जा रही थी। साथ ही सरकार को मिल रही शिकायतों से स्पष्ट था कि एंड्रॉयड और आइओएस प्लेटफॉर्म पर मौजूद कुछ चीनी मोबाइल एप्स का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। ये एप्स गुपचुप और अवैध तरीके से यूजर का डाटा चोरी कर भारत के बाहर मौजूद सर्वर पर भेज रहे थे। भारत पिछले कई वर्षों से डाटा स्थानीयकरण पर जोर देता रहा है। पहले भी आरबीआइ का प्रयास रहा है कि सभी वित्तीय डाटा को देश में ही रखा जाए। ऐसे में सरकार के इस नए फैसले से डाटा स्थानीयकरण की भारतीय अवधारणा पहले से अधिक विस्तृत हो जाएगी। इंडियन साइबर क्राइम कॉर्डिनेशन सेंटर ने भी गृह मंत्रालय को खतरनाक चीनी एप्स को तुरंत बैन करने की अनुशंसा की थी। कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम को भी डाटा चोरी और प्राइवेसी के खतरे की शिकायतें मिली थी। सरकार का कहना है कि विश्वसनीय सूचनाओं के आधार पर ही मोबाइल और गैर मोबाइल इंटरनेट सक्षम उपकरणों में उपयोग लाए जाने वाले कुछ एप के इस्तेमाल को बंद करने का निर्णय लिया गया है। टेलिकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार भारत में करीब 75 करोड़ स्मार्टफोन यूजर्स हैं। यही कारण है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा एप बाजार है। बीते साल दुनिया भर में सबसे ज्यादा एप भारत में इंस्टॉल किए गए थे। शुरूआती तीन माह में साढे चार अरब से ज्यादा बार एप डाउनलोड किए गए, जिनमें सबसे ज्यादा टिकटॉक था।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, गुरुवार
2 जुलाई, 2020

कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिए मुंबई में धारा 144 लागू

संवाददाता

मुंबई। कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए मुंबई पुलिस ने बुधवार को सीआरपीसी की धारा 144 को लागू कर दिया। इसके तहत सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की आवाजाही या जमावड़े पर प्रतिबंध होगा। मुंबई में मंगलवार को कोविड-19 के 903 नए मामले आने से संक्रमित मरीजों की संख्या 77,197 हो गयी जबकि 93 और मौत के साथ मृतकों की संख्या 4,554 हो गयी है।

आदेश में कहा गया है कि गैर जरूरी कार्यों के लिए गतिविधि पर रोक बुधवार से लागू हो गयी है और 15 जुलाई तक यह लागू रहेगी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आदेश के तहत सार्वजनिक स्थानों पर एक या इससे ज्यादा व्यक्तियों की आवाजाही या मौजूदगी पर प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने बताया कि पुलिस ने धार्मिक स्थल सहित किसी भी स्थान पर जमावड़े पर पाबंदी लगा दी है। आदेश में कहा गया कि निगम प्रशासन

द्वारा निषिद्ध क्षेत्र घोषित इलाके में जरूरी गतिविधियों, आवश्यक सामानों की आपूर्ति और आपात चिकित्सा के लिए छोड़कर एक या ज्यादा व्यक्ति की आवाजाही पर प्रतिबंध लागू है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने आपात चिकित्सा जरूरतों को छोड़कर रात नौ बजे से सुबह पांच बजे तक शहर में एक या ज्यादा व्यक्तियों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया है। आपात सेवा, सरकारी और अर्द्धसरकारी एजेंसियों और ड्यूटी पर तैनात उनके अधिकारियों को इससे छूट रहेगी। अनाज, सब्जी, दूध आपूर्ति, चिकित्सा और किराना स्टोर, अस्पताल, दवा और संबद्ध प्रतिष्ठानों को भी इससे छूट दी गयी है। अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस ने मौजूदा लॉकडाउन के दौरान इसी तरह की निषेधाज्ञा पहले भी जारी की थी।

सार्वजनिक या निजी स्थानों पर जमावड़े के कारण कोरोना वायरस के प्रसार की आशंका के चलते नवीनतम आदेश जारी किया गया है। दुकानों, बाजार, नाई की दुकान, सैलून, स्पा, ब्यूटी पॉर्लर जाने जैसी गैर जरूरी गतिविधियों के लिए आस-पड़ोस में जाने की अनुमति होगी। गैर जरूरी काम से लंबी दूरी की यात्रा की अनुमति नहीं होगी। आदेश में कहा गया कि हर समय छह फुट की सामाजिक दूरी को बनाकर रखना होगा। उन्होंने कहा कि आपात और विशेष मामलों में जोनल पुलिस उपायुक्त इससे छूट प्रदान कर सकेंगे।

कोरोना के चलते 86 साल की परंपरा टूटी, इस बार नहीं आएंगे लालबागचा राजा

मुंबई। कोरोना का असर इस बार गणपति उत्सव पर भी देखने को मिल सकता है। महाराष्ट्र में बढ़ते कोरोना मरीजों की संख्या के चलते इस बार मुंबई के लागबाग में गणपति उत्सव नहीं मनाया जाएगा। लालबागचा राजा गणेशोत्सव मंडल ने फैसला किया है कि कोरोना के प्रसार के चलते इस बार पंडाल की जगह ब्लड और प्लाज्मा डोनेशन कैंप लगाया जाएगा। लालबागचा राजा गणेशोत्सव मंडल के सचिव सुधीर साल्वी ने बताया, इस बार भव्य तरीके से गणेशोत्सव मनाने के बजाय लालबागचा राज मंडल सीएम राहत फंड में राशि दान करेगा। हम एलओसी और एलएसी पर शहीद हुए जवानों के परिजनों को सम्मानित भी करेंगे। इस बार यह मंडल कोरोना के खतरे को देखते हुए मूर्ति विसर्जन भी नहीं करेगा। कांग्रेस नेता संजय निरूपम ने ट्वीट किया, 86 वर्षों से अनवरत चल रही परंपरा इस बार टूट रही है। इस गणेशोत्सव पर लालबागचा राजा का आगमन नहीं होगा। आयोजकों ने गणपति उत्सव की जगह आरोग्य उत्सव का आयोजन किया है। यह फैसला दुखद है, पर कोरोना ने ऐसे कड़े फैसलों के लिए मजबूर कर दिया है।

सादगी से मनाने के दिए थे आदेश: बता दें कि देश में सबसे अधिक कोरोना मरीज महाराष्ट्र में ही हैं। मुंबई में कोरोना के मामले 77,197 हो गए हैं। इसी को देखते हुए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सभी मंडलों को इस साल गणपति उत्सव को सादगी से मनाने के आदेश दिए थे। इसके अलावा सीएम ने गणेश की मूर्ति की ऊंचाई को चार फीट तक ही रखने का निर्देश भी दिया था।

(पृष्ठ 1 का शेष)

धारावी से अच्छी खबर

अभी तक कुल 2282 मरीजों में से 1618 ठीक होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं। बुधवार को धारावी इलाके में कोरोना वायरस के 14 नए मरीज सामने आए। इस प्रकार अभी तक कुल मरीजों की संख्या बढ़कर 2,282 हो गई। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने धारावी में कोरोना से हुई मौतों की संख्या का खुलासा नहीं किया। बीएमसी ने पिछले कुछ दिनों में धारावी में हुई मौतों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। रविवार तक क्षेत्र में महामारी के कारण मरने वालों की संख्या 82 थी। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में कोरोना वायरस के 535 मरीजों का इलाज चल रहा है। वहीं, ठीक हो जाने के बाद 1,618 मरीजों को अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई है। करीब 2.5 वर्ग किलोमीटर में फैले धारावी की आबादी करीब 6.5 लाख है। निकटवर्ती दादर और माहिम क्षेत्रों में बुधवार को कोरोना वायरस के क्रमशः 21 और 19 नए मामले सामने आए।

...नई महामारी का खतरा?

2011 से 2018 तक वैज्ञानिकों ने चीन के 10 अलग अलग प्रांतों के बूचड़खानों से सूअरों की नाक से तीन हजार से ज्यादा टेस्ट नमूने लिए। फिर एक पशु चिकित्सालय में स्वाइन फ्लू के 179 वायरसों को अलग अलग किया गया। इन वायरसों में रिसर्चरों को एच1एन1 के जी4 के प्रमाण मिले, जो महामारी फैलाने वाले वायरसों में मिलता है। इसके बाद रिसर्चरों ने कई अलग अलग प्रयोग किए। इनमें नेवलों पर किए गए प्रयोग भी शामिल हैं, जो स्वाइन फ्लू के लक्षणों को इंसानों की तरह ही महसूस करता है। टेस्टों के बाद रिसर्चरों ने पाया कि जी4 बेहद संक्रामक है और इंसानी कोशिशाओं में तेजी से फैलता है। इससे नेवलों में अन्य वायरसों की तुलना में कहीं ज्यादा लक्षण सामने आए। रिसर्चरों को यह भी पता चला कि सूअर फार्मों में काम करने वाले लोगों के खून में वायरसों का स्तर कहीं ज्यादा है। टेस्ट बताते हैं कि 10.4 प्रतिशत सूअर किसान इस वायरस से संक्रमित हो गए हैं। उनमें वायरस के कारण एंटीबॉडी बनने का पता चला। 4.4 प्रतिशत आबादी भी इन वायरसों के संपर्क में हो सकती है। टेस्ट दिखाते हैं कि मौसमी फ्लू से इंसानों के शरीर में आई प्रतिरोधक क्षमता जी4 से सुरक्षित नहीं कर पाती है। अध्ययन कहता है, इंसानी आबादी और खासकर सूअर उद्योग में काम करने वाले लोगों की नजदीकी तौर पर निगरानी करनी होगी। वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि जी4 की वजह से पैदा महामारी के जोखिम को कम करना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लयूएचओ) ने कहा है कि वह इस अध्ययन को गंभीरता से पढ़ेगा। डब्ल्यूएचओ के प्रवक्ता क्रिस्टियान लिंडमायर ने कहा, यह इस बात पर भी जोर देता है कि इंफ्लुएंजा के प्रति हमें कोई लापरवाही नहीं बरतनी है और सजग रहना होगा, कोरोना महामारी के दौर में भी पूरी इसकी पूरी निगरानी रखनी होगी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता चाओ लिचियान ने कहा, चीन इस बारे में होने वाले घटनाक्रम पर नजर रखे हुए है। हम किसी भी वायरस के फैलाव को रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएंगे।

पर्यटकों के लिए आज से खुल जाएगा गोवा

एंट्री के लिए रखी शर्तें

कोरोना संकट के बीच गोवा अब पर्यटकों के लिए खुलने जा रहा है। पर्यटकों के लिए राज्य में 250 होटलों को खोलने की अनुमति भी दी गई है। हालांकि गोवा घूमने आने वाले पर्यटकों को कोरोना निगेटिव रिपोर्ट भी साथ लेकर आना होगा।

संवाददाता

पणजी। देशभर में जहां कोरोना महामारी फैलती जा रही है वहीं गोवा ने पर्यटकों के लिए अपना राज्य खोलने का फैसला लिया है और अब वहां 250 होटलों को गुरुवार से खोलने का फैसला किया गया है। हालांकि गोवा घूमने आने वाले पर्यटकों को अपने साथ कोरोना निगेटिव रिपोर्ट साथ लेकर आना होगा। गोवा के पर्यटन मंत्री एम अजगांवनकर ने बताया कि गुरुवार से गोवा को पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा और इसके लिए 250 होटलों को फिर से खोलने की अनुमति दे दी गई है। उन्होंने कहा कि गोवा में प्रवेश करने के लिए किसी भी पर्यटक को 48 घंटे के भीतर की कोरोना निगेटिव रिपोर्ट भी साथ लानी होगी या फिर गोवा में अनिवार्य रूप से कोरोना टेस्टिंग करानी होगी।

गोवा में कुल 1,315 कोरोना केस

एक समय गोवा एक तरह से देश का कोरोना मुक्त राज्य था। लेकिन बाद में यहां पर केस लगातार बढ़ने लगे। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी कोरोना अपडेट्स के मुताबिक राज्य में कुल 1,315 कोरोना केस हैं, जिसमें 716 एक्टिव केस हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक गोवा में कुल 1,315 कोरोना केस में 596 लोग ठीक हो चुके हैं जबकि 716 मरीजों का इलाज चल रहा है। राज्य में कोरोना से अब तक 3 लोगों की मौत हुई है। राज्य में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 117 नए मामले दर्ज किए गए और इस दौरान एक मरीज ठीक भी हो गया।

प्रियंका को बंगला खाली करने का नोटिस

प्रियंका गांधी को लोधी एस्टेट का बंगला 1 अगस्त तक खाली करना होगा, बंगला नहीं छोड़ा तो सरकार जुर्माना वसूलेगी

संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को 35 लोधी एस्टेट स्थित सरकारी बंगला खाली करने का नोटिस दिया गया है। इसके लिए प्रियंका को 1 अगस्त तक की मोहलत दी गई है। यह फैसला बुधवार को हाउसिंग और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा किया गया है। यह बंगला उन्हें राजीव गांधी की हत्या के बाद अलॉट हुआ था। प्रियंका गांधी से एसपीजी सुरक्षा वापस ली गई थी और जेड + सुरक्षा दी गई थी। एसपीजी कवर में सुरक्षा के मद्देनजर सरकारी बंगले का प्रावधान था। जेड + में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए अलॉटमेंट कैंसल किया जा रहा है। अगर 1 अगस्त तक बंगला खाली नहीं किया तो उसके बाद जुमानें के तौर पर किराया लगेगा।

प्रियंका ने मोदी और योगी पर साधा था निशाना

इससे पहले प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को वाराणसी के बुनकरों के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा था। प्रियंका ने ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र के बुनकर जो वाराणसी की शान हैं, आज वे अपने गहने और घर गिरवी रखकर गुजारा करने को मजबूर हैं। उन्हें आर्थिक मदद का ठोस पैकेज ही तंगहाली से निकाल सकता है।

यूपी चुनाव से ही राजनीति में सक्रिय हैं प्रियंका

हाल के दिनों में उन्होंने लगातार केंद्र सरकार पर हमला बोला है। एक दिन पहले ही ट्वीट कर केंद्र सरकार और बसपा प्रमुख मायावती पर हमला बोला था। प्रियंका ने ट्वीट में लिखा, जैसे कि मैंने कहा था कि कुछ विपक्ष के नेता भाजपा के अघोषित प्रवक्ता बन गए हैं, जो मेरी समझ से परे है। इस समय किसी राजनीतिक दल के साथ खड़े होने का कोई मतलब नहीं है। हर हिंदुस्तानी को हिंदुस्तान के साथ खड़ा होना होगा, हमारी सरजमीं की अखंडता के साथ खड़ा होना होगा। और जो सरकार, देश की सरजमीं को गैंवा डाले, उस सरकार के खिलाफ लड़ने की हिम्मत बनानी पड़ेगी।

प्राइवेटाइजेशन की दिशा में रेलवे का बड़ा कदम

109 रूट्स पर 160 किमी/घंटे की रफ्तार से चलेंगी निजी यात्री ट्रेनें, निजी निवेश के लिए मंगाया गया प्रपोजल

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने बुधवार को बड़ा फैसला लिया है। रेलवे ने पैसेंजर ट्रेन सर्विस ऑपरेट करने के लिए प्राइवेट पार्टी के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। देश में 109 डेस्टिनेशन रूट पर प्राइवेट कंपनियां ट्रेन ऑपरेट कर पाएंगी। इसमें 30 हजार करोड़ रुपए के निवेश की संभावना है। रेल मंत्रालय ने इसके लिए रिक्वेस्ट फॉर क्वॉलिफिकेशन (RFQ) मांगा है। पूरे देश के रेलवे नेटवर्क को 12 क्लस्टर में बांटा गया है और इन्हीं 12 क्लस्टर में 109 जोड़ी प्राइवेट ट्रेनें चलेंगी। इन सभी ट्रेनों में कम से कम 16 कोच होंगे। ट्रेनें अधिकतम 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी। इन ट्रेनों का रोलिंग स्टॉक निजी कंपनी खरीदेगी। मेंटिनेंस उसी का होगा। रेलवे सिर्फ ड्राइवर और गार्ड देगा। भारतीय रेलवे का यह प्रोजेक्ट 35 साल के लिए है। प्राइवेट पार्टी को एनर्जी और हौलेज चार्ज खपत के हिसाब से देना होगा। यात्री रेलगाड़ियों के संचालन में निजी कंपनियों की भागीदारी की परियोजना में निजी क्षेत्र की ओर से करीब 30,000 करोड़ रुपए के निवेश की जरूरत होगी। रेलवे इसके जरिए मॉडर्न टेक्नोलॉजी को सामने लाने की योजना बना रही है। इससे रेलवे का मेंटिनेंस का बोझ कम होगा। इससे ट्रांजिट टाइम में भी कमी आएगी। रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, सेफ्टी का भरोसा मजबूत होगा और यात्रियों को वर्ल्ड क्लास ट्रैवल का अनुभव होगा।

सभी ट्रेन मेक इन इंडिया के तहत भारत में ही बनाई जाएंगी: रेलवे के मुताबिक, सभी ट्रेन मेक इन इंडिया के तहत भारत में ही बनाई जाएंगी। जिन कंपनियों को मौका मिलेगा, उन्हें फाइनेंस, खरीद, संचालन और रख-रखाव की जिम्मेदार संभालनी होगी। इसका कंसेशन पीरियड 35 साल का हो सकता है। ग्रॉस रेवेन्यू का बंटवारा कमाई के रूप में होगा।

आईसीसी की बोर्ड मीटिंग: शशांक मनोहर 4 साल बाद आईसीसी अध्यक्ष पद से हटे

दुबई। शशांक मनोहर (62) ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के अध्यक्ष पद से बुधवार को इस्तीफा दे दिया। वे आईसीसी के पहले इंडिपेंडेंट चेयरमैन थे। शशांक मनोहर ने नवंबर 2015 में जिम्मेदारी संभाली थी। वे 2008 से 2011 तक बीसीसीआई के भी अध्यक्ष रहे। हालांकि, आईसीसी के नियमों के मुताबिक अध्यक्ष के तौर पर शशांक का कार्यकाल दो साल के लिए एक बार और बढ़ाया जा सकता था। नया अध्यक्ष चुने जाने तक डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा आईसीसी चेयरमैन की जिम्मेदारी संभालेंगे। आईसीसी ने कहा कि दो बार दो-दो साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद शशांक अपने पद से हट गए हैं। बोर्ड मीटिंग में फैसला लिया गया कि अगले अध्यक्ष के चुनाव तक ख्वाजा जिम्मेदारियां संभालें। आईसीसी ने बताया कि अगले हफ्ते होने वाली बोर्ड की बैठक में अध्यक्ष पद के चुनाव पर फैसला लिया जा सकता है। आईसीसी के चीफ एग्जिक्यूटिव मनु स्वाहने ने कहा कि शशांक की लीडरशिप में अच्छा काम हुआ और उन्होंने क्रिकेट के लिए काफीकुछ किया। ख्वाजा ने कहा- शशांक क्रिकेट को बेहतर जगह पर पहुंचा कर अपना पद छोड़ रहे हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि शशांक के किए हुए कामों का क्रिकेट के लिए बहुत उपयोगी रहे हैं। जिस जगह पर उन्हें इस खेल की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, उन्होंने उससे बेहतर जगह पर क्रिकेट को पहुंचा दिया है।

चीनी ऐप्स पर बैन को अमेरिका का समर्थन: पोम्पियो ने कहा- भारत की सुरक्षा मजबूत होगी, ये ऐप्स जासूसी करने वाले चीन का पिछलग्गू बनकर काम कर रही थीं

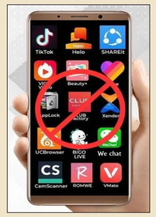

वॉशिंगटन। भारत सरकार के चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध लगाने के फैसले का अमेरिका ने भी समर्थन किया है। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने भारत की सराहना करते हुए कहा कि टिक टॉक समेत चीनी ऐप्स पर बैन लगाने से भारत की सुरक्षा बढ़ जाएगी। पोम्पिओ ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिपोर्टरों से कहा- हम भारत के फैसले का स्वागत करते हैं। ये ऐप्स चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के जासूसी करने वाले देश चीन का पिछलग्गू बनकर काम कर रही थीं। सरकार ने चीन के 59 ऐप्स पर सोमवार को बैन लगा दिया था।। इस लिस्ट में टिक टॉक, यूसी ब्राउजर, हेलो और शेयर इट जैसे ऐप्स शामिल हैं। सरकार ने कहा था कि इन चाइनीज ऐप्स के सर्वर भारत से बाहर मौजूद हैं। इनके जरिए यूजर्स का डेटा चुराया जा रहा था। इनसे देश की सुरक्षा और एकता को भी खतरा था। सरकार ने इन्फर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट के सेक्शन 69ए के तहत इन चीनी ऐप्स को बैन किया है। टिक टॉक इंडिया ने मंगलवार को यूजर्स के डाटा को चीनी सरकार के साथ शेयर करने से इनकार किया था।

गलवान हिंसक झड़प के बाद हुई है कार्रवाई: चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध लगाने की कार्रवाई पूर्वी लद्दाख के गलवान में हुई हिंसक झड़प के बाद हुई है। 15 जून को भारत और चीन की सेना में हिंसक झड़प हुई थी। इसमें भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे। चीन के भी 43 सैनिकों के मारे जाने की खबर आई थी। हालांकि, चीन ने कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं जारी किया है।

विकासशील इंसान पार्टी के कार्यकर्ताओं ने डिजिटल रैली को ले जनजागरूकता अभियान चलाया

समस्तीपुर। विकासशील इंसान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी 5 जुलाई को डिजिटल रैली करेंगे। इसकी तैयारी को लेकर पार्टी के विधानसभा युवा अध्यक्ष पप्पू कुशवाहा अनेको कार्यकाओ ने कल्याणपुर विधानसभा के कोआरी पंचायत की धरती से शुरूआत करते हुए जनसंपर्क अभियान चलाया। साथ ही मतदाताओं के बीच जागरूकता अभियान चला रहे है और उन्हों ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी मिशन 2020 बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर पार्टी की विचारधारा, नीति और सिद्धांत तथा विजन को जन-जन तक पहुंचाने हेतु दिनांक 05 जुलाई 2020 को फेसबुक लाइव के माध्यम से पूर्वा 11 बजे से मिशन 2020 को डिजिटल रैली करेंगे इसी को लेकर हैम लोग जनता को जागरूक कर रहे है और आने वाले दिनों में विकासशील पार्टी एक बड़ी पार्टी बन कर उभरे गी यह जानकारी पप्पू सिंह कुशवाहा दे रहे थे।

नसीम अब्दुल्ला बने राजद के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष, लोगों ने दी बधाई

समस्तीपुर। जिले के सरायरंजन विधानसभा के उदाजागीर पंचायत, (मूसरीघरारी) के नसीम अब्दुल्लाह अंसारी को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के निर्देश और प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह की सलाह पर प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जनाब प्रो मोहम्मद खालिद साहब ने राष्ट्रीय जनता दल अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया है। और प्रो अब्दुल खालिद प्रधान महासचिव नियुक्त किए गए हैं। विदित हो कि नसीम अब्दुल्लाह पूर्व में भी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष थे, श्री अब्दुल्लाह को चौथी बार ये ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। इनके मनोनयन से जिला में और संगठन में हर्ष का माहौल है,जिला राजद नेताओं ने इनके मनोनयन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, बिहार विधान परिषद की नेता आदरणीया राबड़ी देवी,नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव,प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी प्रदेश प्रधान महासचिव आलोक कुमार मेहता, सांसद मिसा भारती, प्रदेश अध्यक्ष युवा राष्ट्रीय जनता दल जनाब कारी सोहेब साहब, प्रदेश महासचिव फैजुर रहमान फैज,विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन,एज्या यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है कि उन्होंने दल के समर्पित और निष्ठावान कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढ़ाने का मौका प्रदान किया है। इस आशय की प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए जिला राजद मुख्य प्रवक्ता सौरभ चौधरी ने बताया। वहीं जिला राजद अध्यक्ष राजेंद्र साहनी, पूर्व मंत्री रामाश्रय साहनी,पूर्व विधान पार्षद रोमा भारती, प्रदेश महासचिव प्रेम प्रकाश शर्मा, सदानंद झा, प्रदेश सचिव लाल बहादुर पंडित,दलित प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सतविंद पासवान युवा राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष अमरेश राय, प्रवक्ता भिखारी लाल सिंह, किसान प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजेश्वर महतो,पिंकी यादव महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष, व्यवसायिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष बद्री गोयनका,नगर परिषद अध्यक्ष तारकेश्वर नाथ गुप्ता, मजदूर प्रकोष्ठ अध्यक्ष जितेंद्र सिंह चंदेल, प्रकोष्ठ अध्यक्ष नैय्यर आलम नवाब, नन्द किशर महतो,अरमान सदरी, मोहम्मद परवेज,तबरेज अहमद,फैज अकरम बच्चा नागमणि, युसुफ, जमील अख्तर,रौशन यादव, ललन यादव,माला, नुजहत नाज, मोहम्मद कामरान, मोहम्मद कुर्बान, सचित राजा, धर्मेंद्र राम,बुधन महतो, प्रवीण कुमार, श्रवण यादव, मो सज्जाद, रेहाना खातून, मो कलाम खान, गुलाब कैसर, मो अली इमाम, सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बधाई दिया है।

भाजपा सरकार हर मुद्दों पर फेल हो चुकी है

लखनऊ। जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के जिला चेयरमैन चौधरी शमसुद्दीन इस ज्ञापन के माध्यम से आपको अवगत कराना चाहते हैं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार कांग्रेस जनों पर अत्याचार कर रही है हाल ही में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन जनाब शाहनवाज आलम को लखनऊ कांग्रेस कार्यालय से बाहर निकलते वक्त पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जोकि पूरी तरह से गलत है उत्तर प्रदेश सरकार मानव अधिकारों का हनन कर रही है भाजपा सरकार जनता का ध्यान भटकाने के चक्कर में इस प्रकार की दमन राजनीति कर रही है क्योंकि भाजपा सरकार हनुमान मुद्दों में फेल हुई है नंबर 1 गैस के दामों की वृद्धि में फेल नंबर दो करो ना का इलाज न कराने में फेल नंबर 3 पेट्रोल डीजल के दामों में हुई वृद्धि पर फेल नंबर 4 देश की सुरक्षा में फेल नंबर 5 देश के सैनिकों की रक्षा करने में फेल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू एवं कांग्रेस जनों द्वारा शाहनवाज आलम की गिरफ्तारी में पूछे जाने पर पुलिस ने अजय कुमार लल्लू को भी गिरफ्तार कर लिया भाजपा सरकार हर मुद्दों पर फेल हो चुकी है हम सभी कांग्रेस जन उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष जनाब शाहनवाज आलम को तुरंत रिहा किया जाए अन्यथा जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग आपके प्रति लामबंद होगा ज्ञापन देने वालों में प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद वसी अहमद रिजवी ओ पी शर्मा एडवोकेट मोहम्मद इमरान प्रभारी उत्तर प्रदेश जनाब खालिद साहब स्टेट कोऑर्डिनेटर गुलजार चौहान चांद तैमूर मोहम्मद हाशिम भोला माही गिर नवाब कुरैशी जुबेद डॉक्टर यूनुस अकरम कुरैशी फुरकान अंसारी पंडित नवनीत नगर राज केसरी आदि उपस्थित थे।

समस्तीपुर हलचल

भारत मेडिकल के मालिक हाजी खलील उरहमान साहब का इंतकाल

समस्तीपुर। शहर के मशहूर मारूफ स्टेशन रोड स्थित भारत मेडिकल के मालिक हाजी मो0 खलीलुर्रहमान 82 वर्ष का पटना के पारस हॉस्पिटल में इंतकाल हो गया। वे कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। एम्बुलेंस द्वारा पटना से हाजी साहेब के लाश को लाये जाने की संभावना है। हाजी साहेब अपने पीछे तीन बेटा मो0 महफुजुर रहमान उर्फ हीरा,मो0 लुत्फुर रहमान उर्फ राणा,डॉ0 मो0 अताउर रहमान उर्फ विक्की और 2 बेटी छोड़ गए हैं। बताया जाता है कि 25 जून 2020 को घर से दुकान जाने के दौरान ठेस लगने से गिर गए थे जिससे उन्हें सर में काफी चोंटे आई थी। आनन फानन में उन्हें इलाज के लिए पटना के पारस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। ईधर खलील बाबू के इंतकाल होने पर राज्य सभा सांसद रामनाथ ठाकुर, स्थानीय विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन,कांग्रेस कमिटी के जिला अध्यक्ष मो0 अबु तमीम,वतन विकास संगठन के अध्यक्ष अंजारुल हक सहारा,ई0 मो0 अबु तनवीर,जदयू के वरिष्ठ नेता प्रो0 शाहिद हुसैन, अश्वमेघ देवी,तकी अख्तर,अफजाल अहमद उर्फ उजाले, संतोष कुमार साह,मो0 तौहीद अंसारी उर्फ नंहें,भाजपा के राम सुमरन सिंह,उपेंद्र कुशवाहा,मनोज गुप्ता,वतन विकास संगठन के सुप्रीमो अंजारूल हक सहारा, राजद लीडर फैजुर रहमान फैज,सौरभ कुमार चौधरी,राकेश ठाकुर,मो0 नसीम अब्दुल्लाह,मो0 अकबर अली,हरेंद्र कुमार,पूर्व जिला पार्षद वसीम राजा,रालोसपा के बेलाल राजा, ताहिर अरमान,नगर परिषद के सभापति तारकेश्वर नाथ गुप्ता,उप सभापति शारीक रहमान लवली, लोजपा के उमा शंकर मिश्रा,नीरज भारद्वाज आदि ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

सना सईद उर्फ चीना बने राजद के प्रदेश महासचिव

समस्तीपुर। राजद अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष प्रो. मो. खालिद द्वारा मो. परवेज आलम व मो. सना सईदी 'चीना' को प्रदेश महासचिव तथा मो. नसीम अब्दुल्लाह को जिलाध्यक्ष मनोनीत करने पर समस्तीपुर जिला में हर्ष व उमंग का आलम है। विधायक आलोक कुमार मेहता, विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन, विधायक डा. एज्या यादव, पूर्व मंत्री अशोक सिंह, पूर्व मंत्री रामाश्रय सहनी, राजद जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सहनी, समस्तीपुर केन्द्रीय सहकारिता बैंक के अध्यक्ष व राजद के पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद कुमार राय, पूर्व विधायक अशोक प्रसाद वर्मा, पूर्व विधायक रामचन्द्र निषाद, पूर्व विधान पार्षद रोमा भारती, राजद के प्रदेश महासचिव प्रेम प्रकाश शर्मा, जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर, जिला महासचिव रामविनोद पासवान, जिला राजद नेता व पैक्स अध्यक्ष प्रो. लक्ष्मी यादव, राजद पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रवक्ता जयशंकर राय तथा कार्यालय सचिव रोशन यादव आदि ने हर्ष व्यक्त करते राजद के नव मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई दिया है।

रामपुर हलचल

श्री सनातन धर्म मढ़ी मन्दिर द्वारा बनाई गई दुकानों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है

टाण्डा (रामपुर)। श्री सनातन धर्म मढ़ी मन्दिर द्वारा बनाई गई दुकानों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है मढ़ी मन्दिर कमेटी ने बनाई गईं। दुकानों को किरायेदारी पर दे दी हैं दुकानों के सामने सरकारी खली जगह जो केनाल विभाग के अन्तर्गत आती है उसकी देख रेख नगर पालिका परिषद द्वारा की जा रही है काफी गड्ढें होने पर नगर पालिका परिषद के द्वारा ही मिट्टी का पटान कर गड्ढो को पाटा गया था जिसमें काफी मोटा पैसा भी खर्च हो चुका है उसी जगह में कुछ आंशिक भाग पर न०पा०प० अध्यक्ष मेहनाज जहाँ पति मकसूद लाला ने ऐ.पी.जे अब्दुल कलाम के नाम से प्राइवेट बस अड्डा की घोषणा कर स्थापित किया गया है। दुकानों के सामने खाली पड़ी जमीन पर दुकानदार अपनी दुकान के सामने बुनियाद खोदकर एवं निर्माण कर चबूतरा बनाये जाने के कार्य को अंजाम दिया जा रहा था। चबूतरा बनाये जाने की भनक नगर पालिका परिषद व पुलिस विभाग को लगी कोरी तोर पर दोनों विभागों ने मोके की स्थिति का जायजा लेते हुए तत्काल प्रभाव से जे.सी.बी के माध्यम से बुनियाद को उखड़वा दिया गया तथा खाली जमीन पर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य न किये जाने को लेकर सख्त निर्देश दिए गये है कोई भी निर्माण करता पाया गया उसके विरुध्द कड़ी एवं कानूनी कार्रवाई की जायेगी इस मोके पर अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा, कोतवाल माधो सिंह बिष्ट, पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला व सफाई कर्मी एवं अन्य पुलिस बल मौजूद रहा।

भाजपा अल्पसंखयक मोर्चा के जिला महामंत्री सुभान अली ने प्रधान मंत्री नेरन्द्र मोदी जी के बयान की सराहना करते हुए कहा

संवाददाता

टाण्डा (रामपुर)। भाजपा अल्पसंखयक मोर्चा के जिला महामंत्री सुभान अली ने प्रधान मंत्री नेरन्द्र मोदी जी के बयान की सराहना करते हुए कहा कि देश की 80 करो जनता को मुफ्त राशन नबम्बर तक बढ़ाये जाने को लेकर हर एक नागरिक को 5 किलो गेहू या चावल व एक किलो चना हर घर के सदस्य को सूची बर्ध्द तरीके से जरूरत मन्द एव गरीब वर्ग के लोगो को खाध सामग्री मुहय्या कराई जायेगी जो गरीब कल्याण के लिए शुरू की गई वन नेशन वन राशन की व्यवस्था देश की खाध प्रणाली में यह अनूठा परिवर्तन सम्पूर्ण विश्व के लिए सर्वश्रेष्ठ का उदाहरण बनेगी इसका सबसे ज्यादा लाभ उन गरीब प्रवासियों को जो रोजगार या दूसरी आवश्यक्ताओं के लिए अपना गाव छोड़कर अन्य प्रदेश में जाते है इस योजना से उन्ही को लाभान्वित किया जायेगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रोजाना करेंगे ये काम तो कभी नहीं होंगे Dark Circle

आंखों के नीचे काले घेरे आमतौर पर कम सोने, कंप्यूटर पर देर रात तक काम करते रहने, शारीरिक कमजोरी, अधिक थकावट होने या किसी बीमारी की वजह से होते हैं। इससे चेहरे का अट्रैक्शन खत्म हो जाता है। यही कारण है कि आंखों के नीचे के काले घेरों से अधिकांश लड़कियां परेशान रहती हैं। यूं भी आंखों के ऊपर और नीचे की त्वचा चेहरे के अन्य हिस्सों के मुकाबले नाजुक और पतली होती है। इसके अलावा आंखों के नीचे मॉइश्चराइजर ग्रंथियां भी नहीं होती। वैसे भी त्वचा के इस हिस्से पर उम्र, तनाव और लापरवाही का प्रभाव जल्दी पड़ता है।

ऐसे करें बचाव

1. आंखों की सुंदरता के लिए कम से कम आठ घंटे जरूर सोए। मगर इस बात का भी ध्यान रखें की जरूरत से ज्यादा सोने पर भी आंखों के नीचे काले घेरे पड़ जाते हैं।
2. आंखों की त्वचा बहुत नाजुक होती है इसलिए उसकी केयर करना भी उतना ही जरूरी होता है। आंखों की सुंदरता को बनाएं रखने और डार्क सर्कल की समस्या से बचने के लिए आंखों के नीचे हल्के-हल्के हाथों से मसाज करें।
3. अधिक तेज या कम रोशनी में पढ़ाई-लिखाई या अन्य काम ना करें। इसके साथ ही लगातार कंप्यूटर पर काम करने से बचें।
4. अधिक तली और मसालेदार चीजों का सेवन ना करें और दिन में लगभग 8 से 10 गिलास पानी अवश्य पीएं।
5. आंखों के आस-पास गहरा मेकअप ना करें। यह आंखों को काफी हद तक नुकसान पहुंचता है। सोने से पहले मेकअप जरूर उतार लें।
6. आंखों के आस-पास ब्लीच ना करें। इससे आंखों को कोमल त्वचा लटक जाती है।

ऐसे दूर करें आंखों के काले घेरे

1. कच्ची हल्दी को दूध में घिस पर उसमें थोड़ा-सा शहद मिलाकर पेस्ट बना लें। रात को सोने से पहले इसे आंशों के नीचे काले घेरो पर लगाकर सो जाएं। सुबह चेहरा धो लें। कुछ ही दिन में यह समस्या दूर हो जाएगी।
2. आलू को पीसकर इसे आंखों के नीचे हल्के हाथों से मलें। ऐसा नियमित रूप से करने पर काले घेरे दूर हो जाते हैं।
3. आधा चम्मच खीरे का रस, दो बूंद शहद, दो बूंद आलू का रस एवं दो बूंद बादाम का तेल अच्छी तरह मिला लें। इसे रूई से आंखों के नीचे लगाने से यह समस्या दूर होती है।
4. एक बादाम को रातभर दूध में भिगोएं। सुबह बादाम को घिसें तथा इसे काले घेरों लगाकर सूखने दें।
5. एक चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच खीरे का रस अच्छी तरह से मिला लें। कॉटन से आंखों के नीचे नियमित लगाने से यह समस्या दूर होती है।
6. शहद और बादाम के तेल को समान मात्रा में लेकर अच्छी तरह से मिला लें। इससे भी आंखों के नीचे पड़े डार्क सर्कल से राहत मिलीती है।

शुगर हो या ब्लड प्रेशर, हर बीमारी का इलाज हैं आम के पत्ते

आम हर किसी का पसंदीदा फल है। बच्चे हो या बूढ़े हर कोई इसको बड़े ही शौक से साथ खाता है। मगर क्या आप जानते हैं आम ही नहीं इसके पत्ते भी किसी औषधि से कम नहीं हैं। इसके पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट गुण, विटामिन ए,बी और सी होता है जो अच्छे स्वस्थ के लिए बहुत फायदेमंद है। आज हम आपको आम की पत्तियों को सेवन करने का तरीका और इससे होने वाले फायदों के बारे में बताएंगे।

इस तरह करें आम की पत्तियों का इस्तेमाल

- छोटी आकार वाली पत्तियों को अच्छे से धोने के बाद छोटे टुकड़ों में काटकर चबाना सेहत के लिए अच्छा होता है।
- इसके अलावा आम के पत्तों को रात भर गुनगुने पानी में भिगोकर रखें और सुबह खाली पेट वह पानी पी सकते हैं।
- आप चाहें तो आम की पत्तियों को धूप में सुखा कर इसका पाउडर बनाकर भी खा सकते हैं। रोजाना इसको पानी के साथ लेने से आपको कई फायदे होंगे।

आम की पत्तियों को खाने से होंगे ये लाभ

1. शुगर कंट्रोल करें कंट्रोल

अगर आप शुगर के मरीज है तो आम के पत्तों को सेवन करें। आम के पत्तों को सुखाकर उसका एक पाउडर बना लें। फिर रोजाना 1 चम्मच खाएं। इससे धीरे-धीरे आपका शुगर लेवल कंट्रोल में होने लगेगा।

2. ब्लडप्रेशर की समस्या करे दूर

आपको जानकर हैरानी होगी की आम के पत्तों से ब्लडप्रेशर की समस्या दूर होती है। आम के पत्ते को उबाल लें। नहाने वाले पानी में आम के पत्ते डाल कर नहाएं। इससे आपको ब्लडप्रेशर की समस्या से निजात मिलेगा।

3. अस्थमा से दिलाएं राहत

अस्थमा रोगियों के लिए आम के पत्तों का काढ़ा किसी औषधि। रोजाना ये काढ़ा पीने से आपको अस्थमा से राहत मिलेगी।

झड़ते बालों से परेशान है तो लगाएं ये होममेड हेयर मास्क

लड़कियां चाहती हैं कि उनके बाल मजबूत और घने हो। अधिकतर लड़कियों के बालों का टेक्सचर तो अच्छा होता हैं लेकिन कुछ अपने झड़ते व पतले बालों से परेशान होती हैं। ऐसे में चिंता अधिक होती हैं क्योंकि बालों से ही औरत की पहचान होती हैं। बाल ही औरत का असली श्रृंगार भी माने जाते हैं। अगर आप भी अपने बालों को मजबूत, घने व लंबे बनाना चाहती है तो आज हम आपको एक घरेलू हेयर मास्क बताएंगे, जिसके इस्तेमाल से आपकी बालों को लेकर सारी टेंशन खत्म हो जाएगी।

मास्क बनाने का तरीका

- 2 टेबलस्पून अदरक पाऊडर
- 1 टेबलस्पून संतरे के छिलको का पाऊडर

- जरूरत अनुसार कैस्टर ऑयल

मास्क बनाने व लगाने का तरीका

बाउल में अदरक पाऊडर और संतरे के छिलको का पाऊडर डालें। फिर इसमें कैस्टर ऑयल डालकर अच्छे मिक्स करके पेस्ट तैयार करें। अब इस मास्क को अपने बालों के स्कैल्प पर अच्छे से लगाएं और 2 घंटे से पहले ही बालों को धो लें।

कैसे काम करता है यह हेयर मास्क

इस मास्क में इस्तेमाल होनी वाली सामग्री के अलग-अलग फायदे है जो बालों को मजबूत, घने बनाने में मददगार है।

अदरक

अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुण होते हैं जो डैंड्रफ को खत्म कर बालों के रोम को भी मजबूत बनाते हैं।

कैस्टर ऑयल

कैस्टर ऑयल में बालों की ग्रोथ बढ़ाने वाले गुण मौजूद होते हैं। यह गुण बालों के रोम को मजबूत बनाकर उनकी ग्रोथ बढ़ाने में मदद करते हैं।

संतरे के छिलके का पाऊडर

यह डैंड्रफ को दूर करके बालों के रोम का स्ट्रांग बनाने का काम करता हैं।

जानिए, क्यों अच्छी सेहत के लिए जरूरी है काबोर्हाइड्रेट की सही मात्रा

अपने भोजन में काबोर्हाइड्रेट युक्त चीजें न लेना आपकी सेहत पर भारी पड़ सकता है। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। अध्ययन के अनुसार इनकी सीमित मात्रा शरीर के लिए बहुत ही जरूरी होती है। इसका कम या ज्यादा लेना सेहत पर असर डाल सकता है। अध्ययन में पाया गया है कि जरूरत से ज्यादा और जरूरत से कम काबोर्हाइड्रेट खाना सेहत के लिए नुक्सानदायक हो सकता है। वहीं अध्ययन की मानें तो सीमित मात्रा में काबोर्हाइड्रेट 50 से 55 प्रतिशत लेना सेहत के लिए अच्छा है। जो लोग 40 प्रतिशत से कम काबोर्हाइड्रेट और 70 प्रतिशत से ज्यादा काबोर्हाइड्रेट लेते हैं ऐसे लोगों में जल्द मृत्यु का खतरा ज्यादा होता है। हॉर्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हैल्थ ने 15,400 लोगों पर अध्ययन किया है जिसमें पाया गया कि जो लोग अपनी डाइट में बहुत ज्यादा काबोर्हाइड्रेट ले रहे थे, उनकी सेहत खराब पाई गई।

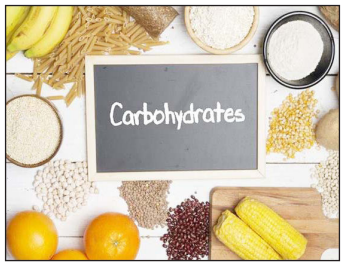

सीमित मात्रा में भरपूर पोषक तत्वों के साथ लें संतुलित आहार

लांसेट पब्लिक जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में 45 से 64 साल की उम्र के 15,528 लोगों को शामिल किया गया था और उन पर 25 सालों तक अध्ययन किया गया। इस अध्ययन के दौरान करीब 6,283 लोगों की मौत हो गई इसलिए सेहतमंद रहने के लिए जरूरी है कि हम सीमित मात्रा में भरपूर पोषक तत्वों के साथ संतुलित आहार लें। आपको बता दें कि खाना जैसे व्हाइट ब्रैड और व्हाइट राइस में शुद्ध काबोर्हाइड्रेट्स की मात्रा होती है। काबोर्हाइड्रेट्स चर्बी की अपेक्षा शरीर में जल्दी पच जाते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर